PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम - कनेर (Nerium oleander)

- **सामान्य नाम (Common Name)** – कनेर, ओलियंडर, Indian Oleander, Rosebay
- **वनस्पतिक नाम (Botanical Name)** – *Nerium oleander*
- **कुल (Family)** – Apocynaceae (अपोसाइनेसी कुल)

🌱 **पौधा का स्वभाव (Nature / Habit)**

- कनेर एक **सदाबहार (evergreen)**, **झाड़ीदार या छोटे वृक्ष जैसा पौधा** है।
- इसकी ऊँचाई सामान्यतः **2 से 6 मीटर** तक होती है।
- पत्तियाँ **लंबी, संकरी, चमकदार हरी और नुकीली** होती हैं।
- फूल **गुलाबी, सफेद, पीले, लाल** आदि रंगों में होते हैं और पूरे वर्ष खिलते रहते हैं।
- यह पौधा **सूखा व गर्म वातावरण** सहन कर सकता है – इसलिए **सड़क किनारे और बगीचों** में लगाया जाता है।

🌿 **पौधे की प्रकृति**

- अत्यंत **मजबूत और अनुकूलनशील पौधा**, जो गर्मी और धूप दोनों में अच्छी तरह बढ़ता है।
- मिट्टी की किसी विशेष आवश्यकता के बिना साधारण भूमि में भी बढ़ता है।
- **जल की कमी** में भी हरा-भरा रहता है।
- **विषैला (Toxic)** पौधा है – इसके सभी भागों (विशेषकर रस) में **ओलियानड्रिन (Oleandrin)** नामक विषैला यौगिक पाया जाता है।

🌸 **उपयोग (Uses)**

🌿 **1. सजावटी उपयोग**

- इसके आकर्षक फूलों के कारण यह **बगीचों, पार्कों, सड़कों के किनारे** और **मध्य पट्टियों (dividers)** में लगाया जाता है।
- इसकी झाड़ियाँ **सीमाओं या सुरक्षा हेज** के रूप में उपयोग होती हैं।

🌺 **2. धार्मिक व सांस्कृतिक उपयोग**

- सफेद और लाल कनेर के फूल **पूजा और धार्मिक आयोजनों** में चढ़ाए जाते हैं।
- कई स्थानों पर इसे **शुभ प्रतीक** माना जाता है।

💊 **औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)**

⚠️ **महत्वपूर्ण चेतावनी:** *Nerium oleander* अत्यधिक विषैला पौधा है – इसके किसी भी भाग का सेवन बिना चिकित्सक की सलाह के नहीं करना चाहिए।

फिर भी, पारंपरिक आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा में इसे **नियंत्रित रूप में उपयोग** किया जाता है –

1. **त्वचा रोगों में उपयोग** –
    - इसके पत्तों या छाल का बाहरी लेप *कुष्ठ, दाद, फोड़े* आदि में किया जाता है।
    - रस का उपयोग *कीड़े के काटने* पर किया जाता है।
2. **हृदय संबंधी औषधियों में** –
    - अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में इसके अल्कलॉयड (Oleandrin) का उपयोग *हृदय की गति नियंत्रित* करने हेतु किया जाता है (केवल चिकित्सा प्रयोगशालाओं में)।
3. **दर्द निवारक गुण** –
    - इसके पत्तों से बने लेप का उपयोग *जोड़ों के दर्द और सूजन* में किया जाता है।
4. **कीटनाशी (Insecticidal) उपयोग** –
    - इसके रस का उपयोग *कीटों और जुओं* को दूर करने के लिए किया जाता है।

⚠️ **विषाक्तता (Toxicity)**

- पौधे के सभी भाग – पत्ते, फूल, जड़, बीज और दूधिया रस – में **कार्डियक ग्लाइकोसाइड्स** होते हैं, जो **अत्यंत विषैले** होते हैं।
- सेवन करने पर उल्टी, हृदय गति में गड़बड़ी और गंभीर मामलों में मृत्यु भी हो सकती है।

👉 इसलिए इसे **केवल बाहरी उपयोग** के लिए ही सुरक्षित माना जाता है।